नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

सड़क दुर्घटना में 4 की मौत

खड़े ट्रक में पीछे से घुसी कार

नवभारत न्यूज

उमरिया, 9 जुलाई. गुरुवार तड़के उमरिया जिले में हुए भीषण सड़क हादसे ने अनूपपुर जिले के एक परिवार की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं। चित्रकूट परीक्षा दिलाने जा रहे परिवार की अर्टिगा कार नेशनल हाईवे-43 पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में सरपंच, उनकी हेड कॉन्स्टेबल पत्नी, एक महिला और तीन वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसकी डॉक्टरों ने समय रहते सीपीआर देकर जान बचा ली।

पुलिस के अनुसार हादसा गुरुवार सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच कोतवाली थाना क्षेत्र की सिविल लाइन चौकी अंतर्गत भरौला स्थित सिद्ध बाबा क्षेत्र के पास नेशनल हाईवे-43 पर हुआ।

अनूपपुर जिले के लीला गांव का परिवार अर्टिगा कार एम पी -18 जेड ई -9677 से चित्रकूट जा रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े ट्रक से कार पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग वाहन में फंस गए।

हादसे में लीला गांव के सरपंच कुलपत सिंह (37), उनकी पत्नी एवं मध्य प्रदेश पुलिस में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल सविता सिंह मार्को (32), प्रियंका सिंह तथा 3 वर्षीय रुद्र प्रताप की मौत हो गई। इनमें कुछ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

कार चला रहे ददन को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन वह गहरे सदमे में है। पुलिस का कहना है कि उसकी मानसिक स्थिति फिलहाल बयान देने की नहीं है, इसलिए उससे हादसे के संबंध में पूछताछ बाद में की जाएगी।

> घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, सिविल लाइन चौकी पुलिस और 108 एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि तेज रफ्तार और सड़क किनारे खड़े ट्रक के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इस हृदयविदारक दुर्घटना ने अनूपपुर जिले के लीला गांव में मातम का माहौल पैदा कर दिया है।

महिला जज को धमकाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर. गौ तस्करी व मॉब लिंचिंग के बहुचर्चित मामले में 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के बाद महिला जज को इंटरनेट मीडिया पर मिली धमकियों के मामले में एफआईआर दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. हाईकोर्ट जस्टिस आनंद पाठक तथा जस्टिस बी पी शर्मा की युगलपीठ के समक्ष पुलिस महानिदेशक व अतिरिक्त मुख्य सचिव का हलफनामा पेश करते हुए उक्त जानकारी पेश की गयी. प्रदेश में जज तथा न्यायालय परिसर की सुरक्षा को संज्ञान में लेते हुए हाईकोर्ट के द्वारा मामले की सुनवाई जनहित याचिका के रूप की जा रही है. पिछली सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने सिवनी मालवा में पदस्थ महिला जज तबस्सुम खान द्वारा गोवंश तस्करी व मॉब लिंचिंग के मामले में 14 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किये जाने के बाद इंटरनेट के माध्यम से मिल रही धमकियों को गंभीरता से लिया. युगलपीठ को बताया गया कि नर्मदापुरम के पुलिस अधीक्षक की तरफ से श्रीमती तबस्सुम खान अतिरिक्त न्यायाधीश सिवनी मालवा को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की गयी है.

घटिया निर्माण मामला : दो एसडीओ, एक कार्यपालन यंत्री, एक उपयंत्री को नोटिस

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 9 जुलाई. लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेशभर में औचक निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी है. इस क्रम में बीते 6 जुलाई को मुख्य अभियंताओं के 7 दलों ने रायसेन, पांढुर्णा, शिवपुरी, बुरहानपुर, उमरिया, मंदसौर एवं निवाड़ी जिलों में निर्माणाधीन एवं पूर्ण कार्यों का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान निर्माण कार्यों में गड़बड़ी मिलने पर दो एसडीओ, एक तत्कालीन कार्यपालन यंत्री और एक उपयंत्री को नोटिस जारी किया गया, वहीं एक फर्म का पंजीयन निरस्त किया गया.

निरीक्षण में कुल 34 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर परीक्षण किया गया, जिनमें लोक निर्माण विभाग सड़क एवं पुल के 21, पीआईयू के 6, एमपी सड़क विकास निगम के 6 तथा मप्र भवन विकास निगम का एक कार्य शामिल रहा. निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा प्रमुख अभियंता सड़क/पुल) आरएल. वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में की गई.समीक्षा में बुरहानपुर जिले के सुंदर नगर-कुंदन डेयरी रोड स्थित पंडारोल नाला पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल के कार्य में गुणवत्ता संबंधी कमियां पाए जाने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए.

> वहीं बुरहानपुर जिले में हिवरा फाटा-हैदरपुर फाटा सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी अपेक्षित स्तर की नहीं मिलने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं उपयंत्री के विरुद्ध नोटिस जारी करने तथा कार्य कर रही एजेंसी मेसर्स कालिका फर्नीचर इंडस्ट्रीज, खंडवा के पंजीयन निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश प्रमुख अभियंता इंदौर को दिए गए.

अवैध रेत से भरी तीन ट्रालियां जब्त, वन विभाग को सौंपी गईं

मुरैना. जिले की अंबाह थाना पुलिस ने चंबल क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रेत से भरी तीन ट्रालियां जब्त कर राजसात की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दी हैं जब्त ट्रालियों की अनुमानित कीमत करीब आठ लाख रुपये बताई गई है. पुलिस सूत्रों के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम नयाबास-बरसला घाट क्षेत्र में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की.

तीन साल जेल में रहने के बाद हत्या केस से दो आरोपी बरी

कोर्ट ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल

नव भारत न्यूज

इंदौर. धार रोड स्थित राधा नगर में हुए हत्या के मामले में करीब तीन साल जेल में रहने के बाद दो आरोपियों को अदालत ने बरी कर दिया. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस विवेचना में गंभीर खामियां पाते हुए माना कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में असफल रहा.

अभियोजन के अनुसार 9 जुलाई 2023 की रात करीब 10.30 बजे राधा नगर स्थित मैदान में कलाली के पास कमल की ईंट पत्थरों से हमला कर हत्या कर दी गई थी.

मामले में चंदन नगर पुलिस ने कान्हा भावर और रवि मेड़ा को गिरफ्तार किया था. पुलिस का दावा था कि शराब पीने के दौरान एक आरोपी की मां से कथित संबंधों को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद दोनों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया. मुकदमे की सुनवाई के दौरान दोनों आरोपी 2 वर्ष 11 माह 17 दिन जेल में रहे.

डेढ़ करोड़ का लिया अवैध दान

मां बगलामुखी मंदिर में फर्जी रसीद घोटाला

शाजापुर, 9 जुलाई. धार्मिक स्थलों पर दान व चंदे में घोटाले की खबरों से श्रद्धालुओं की भावनाएं तो आहत हुई ही है, लेकिन जिस तरीके से विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में अवैध रूप से गैर सरकारी दान की रसीद काटकर समांतर लूट की जा रही थी, उसके परतें अब धीरे-धीरे खुलने लगी है. दो कलेक्टर, तीन एसडीएम के कार्यकाल के समय से ही मंदिर दान में चोरी जारी थी लेकिन किसी ने इस पर या तो ध्यान नहीं दिया या फिर इस समांतर लूट के भागीदार बने.

गौरतलब है कि पांडव कालीन विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में एक समांतर गैर शासकीय नलखेडा सुदर्शन सेवा समिति के नाम से चंदा वसूला जा रहा था. यह चंदा वसूली बीते तीन साल से खुलेआम हो रही थी.

25 लाख की राशि तो बैलेंस शीट में दिख रही

नलखेड़ा सुदर्शन सेवा समिति की बैलेंस शीट 24 दिसंबर 2024 से 25 मार्च 2025 तक यानि चार माह में 21 लाख से अधिक की राशि इस समिति ने बैंक में जमा कराई. अब इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि यह गैर सरकारी अवैध समिति लोगों से दान लेकर लूटने में लगी हुई थी.

नवभारत को नलखेडा सुदर्शन सेवा समिति की एक रसीद प्राप्त हुई है, जिसका सर्विस क्रमांक 1310 है तथा एक रसीद एक हजार से कम की नहीं काटी जा रही थी. यानि कि एक करोड़ 31 लाख की दान राशि इस रसीद के पूर्व वसूली जा चुकी है. आगर के तत्कालीन कलेक्टर राघवेंद्रसिंह पदस्थ थे लेकिन उन्होंने भी इस समांतर लूट पर आखिर क्यों ध्यान नहीं दिया और वे इस मामले में चुप क्यों रहे. वहीं सुसनेर अनुभाग में तीन एसडीएम रहे लेकिन उन्होंने भी इस समांतर गैर सरकारी चंदा वसूली पर ध्यान नहीं दिया, या फिर उनके संरक्षण में ही गैर सरकारी समांतर लूट चलती रही.

> **कुंदन सोनी को क्यों दे रखा था संरक्षण**
>
> मां बगलामुखी मंदिर में सिक्युरिटी गार्ड कुंदन सोनी का नाम इन दिनों चर्चा में है, उस पर चोरी का आरोप भी लगा था, कुछ दिन तक वह जेल में भी रहा था. तत्कालीन तहसीलदार परमार ने उसे सिक्यूरिटी गार्ड से हटा दिया था, लेकिन सुसनेर के तत्कालीन एसडीएम सर्वेश यादव ने उसे वापस सिक्यूरिटी में नौकरी दिलाई. आखिर एक आरोपी को तत्कालीन एसडीएम यादव ने नौकरी पर वापस क्यों रखा, यह एक सवालिया निशान है.

प्रदेश में सरकारी बसों के संचालन की तैयारी

वेबासाइट पर दिखेगी लोकेशन, मिलेगा इलेक्ट्रानिक टिकट

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 09 जुलाई. प्रदेश में नई परिवहन नीति का उद्देश्य से सरकार बसों के संचालन की तैयारियां की जा रही है. बस की लोकेशन यात्रीगण संबंधित वेबासाइट पर भी देख सकेंगे. बस की लोकेशन अपडेट को लेकर इसमें ट्रैकिंग डिवाइस लगाए जाएंगे, जो समय-समय की लोकेशन दिखाएगा. संचालित होने वाली बसों में सफर करने वाले यात्रियों को इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक टिकट मिलेंगे.

जानकारी के मुताबिक तैयार प्लान में अधिक ट्रैफिक वाले मार्ग पर अधिक से अधिक बसों का संचालन किया जाएगा. इससे बस में सफर करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी.

प्रदेशभर में शासकीय बसें चलाई जाएंगी. इसके लिए विभाग स्तर पर तैयारियां की जा रही है. बसों के संचालन को लेकर 40 सड़क मार्ग भी तय किए गए हैं. बस सेवा के शुरू होने से पहले आपत्तियां और सुझाव भी 30 दिन में बुलाए गए हैं. इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद ही बसों का संचालन किया जाएगा. प्रदेश में यात्री बस परिवहन और इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा नोटिफाइ किए गए रूट्स पर इन बसों का संचालन किया जाएगा. साथ ही राज्य परिवहन उपक्रम के नाम पर परमिट जारी किए जाएंगे. सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अधीन निजी बस संचालकों के साथ एग्रीमेंट भी किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के जिलों को जोड़ने वाली अलग-अलग रुटों पर इन बसों का संचालन किया जाएगा.

शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी : शुक्ल

यूनीसेफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के प्रयासों की सराहना की

भोपाल, 9 जुलाई. प्रदेश में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने, एनीमिया और कुपोषण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अब यूनीसेफ के साथ मिलकर व्यापक कार्ययोजना तैयार करेगी. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वल्लभ भवन में यूनीसेफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है.

बैठक में एनीमिया नियंत्रण, उच्च जोखिम गर्भावस्था की समय पर पहचान, सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशु देखभाल और बाल विवाह की रोकथाम जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ. उप मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार जिला स्तर पर विशेषज्ञों की भर्ती कर रही है तथा हीमोग्लोबिन जांच की सुविधाओं को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं.

> उन्होंने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों के समन्वय से एक समग्र कार्ययोजना तैयार करने की बात कही और इसके लिए यूनीसेफ से तकनीकी सहयोग का आग्रह किया. शुक्ल ने कहा कि मास्टर ट्रेनर्स के क्षमता विकास, जन-जागरूकता अभियानों के संचालन तथा सरल और प्रभावी संदेशों के प्रसार में यूनीसेफ की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है. यूनीसेफ इंडिया के उप प्रतिनिधि जैस्पर मिलर ने शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए 'सुमन रोडमैप' और मदर एंड न्यूबॉर्न चाइल्ड केयर यूनिट्स की स्थापना को सराहनीय पहल बताया.

भिण्ड नगर पालिका के सीएमओ हटाए गए

भिण्ड. भिण्ड नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) यशवंत वर्मा को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटाकर ग्वालियर संभागीय कार्यालय से अस्थायी रूप से संबद्ध (अटैच) कर दिया गया है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भौंड़वे ने यह आदेश भिण्ड कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा के प्रतिवेदन के आधार पर जारी किया है.

खनन घोटाले की जांच सीबीआई से कराई जाए : कांग्रेस

नई दिल्ली,09 जुलाई. कांग्रेस ने मध्य प्रदेश सरकार पर सिंगरौली में कोयला खनन के लिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया है. पार्टी का कहना है कि अडाणी समूह की कंपनी स्ट्रैटाटेक मिनरल रिसोर्सेज प्रा. लि. को धिरौली कोयला ब्लॉक की मंजूरी दिलाने के लिए फर्जी ग्राम सभा कराई गई और मृत लोगों के अंगूठे के निशान का इस्तेमाल किया गया. कांग्रेस नेता के. राजू और आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने इसे सिंगरौली फाइल्स बताया है. उन्होंने आरटीआई दस्तावेज और मृत्यु प्रमाण पत्रों का हवाला देते हुए कहा कि बृजभान सिंह, जिनकी मौत 2014 में हुई थी, और फुलेश्वरी सिंह, जिनकी मौत 2018 में हुई थी, के अंगूठे नवंबर 2021 की ग्राम सभा रजिस्टर में लगे मिले हैं. कई अन्य मृत लोगों के निशान भी इसी तरह लगाए गए. भूरिया ने कहा कि आदिवासी नेता सुमरू सिंह और सोनमती सिंह, जो पढ़े-लिखे हैं और परियोजना का विरोध कर रहे हैं, को भी रजिस्टर में अंगूठा लगाते दिखाया गया है जबकि वे हस्ताक्षर करते हैं.

थाने के सामने जल उठी यात्री बस, दर्जनों जानें बचीं

इंदौर. शिप्रा थाने के सामने गुरुवार सुबह उस समय अफरा तफरी मच गई, जब रीवा से इंदौर आ रही जय अंबे ट्रेवल्स की

एक यात्री बस अचानक आग की चपेट में आ गई. देखते ही देखते बस से धुएं का गुबार उठने लगा और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया. संयोग रहा कि घटना थाने के ठीक सामने हुई. पुलिसकर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. बाद में फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी. हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस का एक टायर अचानक फट गया था. इसके बाद हुए तेज घर्षण से बस के अगले हिस्से में आग लग गई. चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को तुरंत सड़क किनारे रोक दिया.